शक्ति व शिव जी है वो निराकारी लिरिक्स

शक्ति व शिव जी,
है वो निराकारी।

दोहा – शक्ति व शिवजी,
है वो निराकार,
आकार बणाई कुम्हार ने,
किरपा करी करतार।

शक्ति व शिव जी,
है वो निराकारी,
पिण्ड़ बणाई कुम्हार,
सुदर्शन चकरी पे।bd।

पाणी रे गारो लाद रे बानी,
और चढायो वांपे रंग,
सुदर्शन चकरी पे।bd।

मांड़ियां वो मांड़णा मात श्रीयादे,
सिद्धो जी चढावे सिणगार,
सुदर्शन चकरी पे।bd।

आवड़े पकाई अखण्ड कराई,
अमर वेगी सदा पिण्ड़,
सुदर्शन चकरी पे।bd।

महिमा महेश्वर अपरमपारी,
सिमरे 'रतनलाल',
सुदर्शन चकरी पे।bd।

शक्ति व शिवजी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

है वो निराकारी,
पिण्ड़ बणाई कुम्हार,
सुदर्शन चकरी पे।bd।

गायक – पं.रतनलाल प्रजापति।
निर्देशक – किशनलाल जी प्रजापत।
मो.- 7627022556

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com